RNI NO. 45823/1986 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2025-26-27, DL(ND)-11/6042/2024-25-26; LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

भारत-पाकिस्तानः हवाई दबदबे की लड़ाई

बांग्लादेशः सेना अब हुई सक्रिय / चेतेश्वर पुजाराः 'रूम शेयरिंग मुमकिन नहीं'

11 जून, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

(बाएं से क्रमशः) रेवंत हिमात्सिंगका, उषा विषयी, आरजे करिश्मा, आदित्य शुक्ला और वीजू ऋत्विक

सर्जक नई अर्थव्यवस्था के

देश भर में डिजिटल किस्सागो और इन्फ्लुएंसरों की उठती एक नई लहर अपने गहरे शौक को मुनाफे में तब्दील कर रही

कौन आएगा
राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का दफ्तर

पुरुषोत्तम दिवाकर

इस कमेटी में भी सियासी घमासान शुरू हो गया. आपसी खींचतान के चलते आरसीए के चुनाव लगातार टाले जा रहे हैं. एडहॉक कमेटी ...ल भी दो बार बढ़ाया जा चुका है. ...संयोजक बिहाणी और राज्य ...था स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह ... धनजंय सिंह खींवसर के बीच ...सत्ता पर कब्जे को लेकर सियासी उठापटक चल रही है.

23 अप्रैल, 2025 को धनंजय सिंह जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए. इससे पहले 11 अगस्त, 2022 को धनंजय सिंह नागौर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष चुने गए थे. बिहाणी ने धनंजय को नोटिस जारी कर दो जगह पर अध्यक्ष पद रखने के संबंध में जवाब मांगा. उन्होंने जोधपुर जिला संघ से धनंजय के निर्वाचन को यह कहकर गलत बताया कि उन्होंने नागौर जिला संघ से इस्तीफा दिए बिना जोधपुर जिला संघ चुनाव लड़ा जो नियमों के खिलाफ है.

बिहाणी के इन आरोपों पर धनंजय कहते हैं, ''बिहाणी आरसीए को तानाशाही तरीके से चलाना चाहते हैं जिसका हम विरोध कर रहे हैं. मैंने नागौर जिला संघ से एक माह पहले ही इस्तीफा दे दिया था और चुनावी प्रक्रिया का पालन करते हुए जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा.''

धनंजय ने बिहाणी पर तालिबानी तरीके से आरसीए को चलाने और राजस्थान रॉयल्स से 10 लाख रुपए मांगने का भी आरोप लगा दिया.

क्रिकेट की इस लड़ाई में अब राज्य खेल परिषद भी कूद गई है. परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह ने सहकारिता रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर बिहाणी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है.

खेल मामलों के जानकार दिनेश शर्मा कहते हैं, ''राजस्थान में क्रिकेट के 44 जिला संघों में जिसे बहुमत मिलेगा वही आरसीए का अध्यक्ष चुना जाएगा. धनंजय सिंह नागौर छोड़कर जोधपुर इसलिए पहुंचे हैं ताकि उन्हें दो जिलों का समर्थन हासिल हो सके. नागौर में अब वे अपने व्यक्ति को अध्यक्ष बनाएंगे.''

यह सियासत नागौर और जोधपुर जिला क्रिकेट संघों को लेकर ही नहीं चल रही बल्कि और जिले भी इसकी जद में आ चुके हैं. 8 जनवरी, 2025 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नजदीकी रिश्तेदार प्रमोद शर्मा गुपचुप तरीके से बाड़मेर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष चुन लिए गए. प्रमोद शर्मा के अध्यक्ष चुने जाने पर खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि चुनाव के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है और न चुनाव के लिए हमने कोई ऑब्जर्वर भेजा था.

पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ के पुत्र पराक्रम सिंह राठौड़ 21 फरवरी, 2024 को चूरू जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने तब भी खूब आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला.

इस सियासी घमासान पर पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास चुटकी लेते हैं, ''इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि क्रि... सत्ता के लिए भाजपा आपस में ... स्टेडियम, क्रिकेट और खेल ... कब्जे के लिए भाजपा नेताओं ... चल रही है. इन्हें न राजस्थान क्रि... कोई मतलब है और न क्रिकेट से, इन्हें तो सिर्फ अपने लोगों को फिट करना है.''

सिरोही जिला क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व विधायक संयम लोढ़ा का कहना है, ''भाजपा सरकार के कई मंत्री/पदाधिकारी अपने बेटों को आरसीए का अध्यक्ष बनाना चाह रहे हैं तो एक मंत्री अपनी पत्नी को अध्यक्ष बनाने की कोशिश में जुटे हैं. जिन लोगों ने कभी क्रिकेट नहीं खेला, वे अध्यक्ष बनने की होड़ में हैं.'' लोढ़ा के इस बयान पर पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा, ''अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत ने कौन-सा क्रिकेट खेला था जो उन्हें चार साल तक आरसीए का अध्यक्ष रखा गया.''

दिनेश शर्मा कहते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में छात्रसंघ चुनाव की तर्ज पर क्रिकेट भी राजनीति में एंट्री का जरिया बन गया है.'' हालात ऐसे हैं कि राजस्थान के 44 जिला संघों में से आधे संघों में मंत्री, विधायक और नेता पुत्रों का कब्जा है.

आरसीए के लिए चल रही खींचतान केवल सियासी लड़ाई नहीं है, बल्कि यह सूबे में क्रिकेट के भविष्य पर भी ग्रहण लगा रही है. ■

खास बातें

- 2005 में किशोर रुंगटा को एक वोट से हराकर ललित मोदी पहली बार आरसीए के अध्यक्ष बने थे.
- वसुंधरा राजे की सरकार जाने के बाद कांग्रेस नेता डॉ. सी.पी. जोशी ललित मोदी को पछाड़कर आरसीए के अध्यक्ष बने.
- 2014 में ललित मोदी फिर आरसीए के अध्यक्ष बने मगर एक साल का कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाए.
- अक्तूबर 2014 में अमीन पठान के नेतृत्व में अविश्वास प्रस्ताव के बाद ललित मोदी को आरसीए अध्यक्ष पद से हटा दिया गया.
- 2016 में ललित मोदी ने अपने पुत्र रुचिर मोदी के जरिए एक बार फिर आरसीए पर कब्जे की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए.

CamScanner

SWAMI KESHAVANAND INSTITUTE OF TECHNOLOGY MANAGEMENT & GRAMOTHAN

(An Autonomous Institute, Affiliated to RTU, Kota)
Recognized by UGC under section 2(f) of the UGC act 1956,
Approved by AICTE, New Delhi

Creating Winners for Life

47 LPA HIGHEST PACKAGE — BEST PLACEMENTS

1 RANK BY RTU, KOTA

850+ RECORD PLACEMENTS

6

COURSES OFFERED

B.Tech
REAP College Code 1031 | REAP 2025
Official website: www.reap2025.com

B.Tech
(Lateral Entry in 2nd year)

M.Tech.
AICTE GATE SCHOLARSHIP Rs. 12,400 p.m. (up to 24 months) for GATE qualified candidates only

MBA

Ph.D

ADMISSION
SESSION 2025-26

SUNDAY OPEN | 9.30 AM TO 4.30

ADMISSIONS HELPLINE

B.Tech.:
8505003008

M.Tech., Ph.D :
9799884938

MBA:
9680080686
8302020007

www.skit.ac.in
admissions@skit.ac.in

Ramnagaria, Jagatpura, Jaipur-302017 (Raj)